IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बालोद : साक्षरता प्रतिरूप

डॉ. मिली चन्द्राकर

शोध सारांश–

साक्षरता सशक्तिकरण का मार्ग है और यह मानव का अधिकार है। तथा यह व्यक्ति और समाज के विकास का साधन है इससे किसी भी समाज के आधुनिकीकरण के स्तर का पता चलता है आधुनिक युग की सुख सुविधाओं का केवल वही राष्ट्र पूरी तरह उपयोग कर सकता है जहां की अधिक से अधिक जनसंख्या साक्षर हो। साक्षरता को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक विकास का सूचक माना जाता है। साक्षरता का प्रजननता , मर्त्यता शिशु मृत्यु दर, विवाह की आयु, व्यवसाय, प्रवास एवं गतिशीलता पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। साक्षरता व्यक्ति को सशक्त आत्मनिर्भर एवं स्वतंत्र बनने में सहायता करता है। और उसकी क्षमता एवं कौशल में वृद्धि कर उसकी निर्धनता को कम करता है, साक्षरता के कारण श्रम बाजार में भागीदारी बढ़ती है जिसका व्यक्ति की आय,स्वास्थ्य एवं सतत विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है साक्षर व्यक्ति दूसरों से प्रभावशाली ढंग से संवाद स्थापित कर सकता है जिससे उसका महत्व बढ़ता है।

Key words – साक्षरता, गतिशीलता, शैक्षणिक स्तर

अध्ययन के उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. बालोद जिले में साक्षरता की स्थिति ज्ञात करना।
2. साक्षरता के स्थानिक वितरण प्रतिरूप का अध्ययन करना।
3. साक्षरता के वितरण प्रारूप को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारकों की व्याख्या करना।

शोध परिकल्पना –

प्रस्तुत अध्ययन की शोध परिकल्पना निम्नलिखित है–

1. महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा साक्षरता कम पाई जाती है।
2. ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में नगरीय क्षेत्रों में साक्षरता अधिक रहती है।

आंकड़ों के स्रोत एवं विधि तंत्र –

प्रस्तुत शोध पत्र छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बालोद के तहसील आधारित साक्षरता के संदर्भ में है। शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। तथा शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की संख्या तहसील आधार पर जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2021 एवं 22 से लिया गया है।

साक्षरता दर–

साक्षरता दर किसी भी प्रदेश या देश की कुल जनसंख्या तथा उस प्रदेश या देश की पढ़े लिखे व्यक्तियों की संख्या के अनुपात को कहा जाता है। साक्षरता दर को प्रतिशत में ज्ञात करने के लिए शिक्षित जनसंख्या को कुल जनसंख्या से भाग देकर 100 से गुणा करके ज्ञात करते हैं। भारतीय जनगणना विभाग ने 7 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति जो किसी भाषा में समझकर पढ और लिख

बालोद : महिला पुरूश एवं ग्रामीण नगरीय साक्षरता

क्रं	तहसील	कुल	पुरूष	महिला	ग्रामीण	नगरीय
1	बालोद	81.95	90.46	73.65	80.52	88.06
2	गुरूर	81.37	89.89	73.01	81.23	81.37
3	गुण्डरदेही	81.25	90.11	72.56	81.22	81.72
4	डौण्डी लोहारा	78.43	88.81	68.43	78.19	85.88
5	डौण्डी	78.97	88.54	69.79	76.23	83.49
योग		80.28	89.52	71.28	80.52	84.54

स्रोंत– जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2021,22

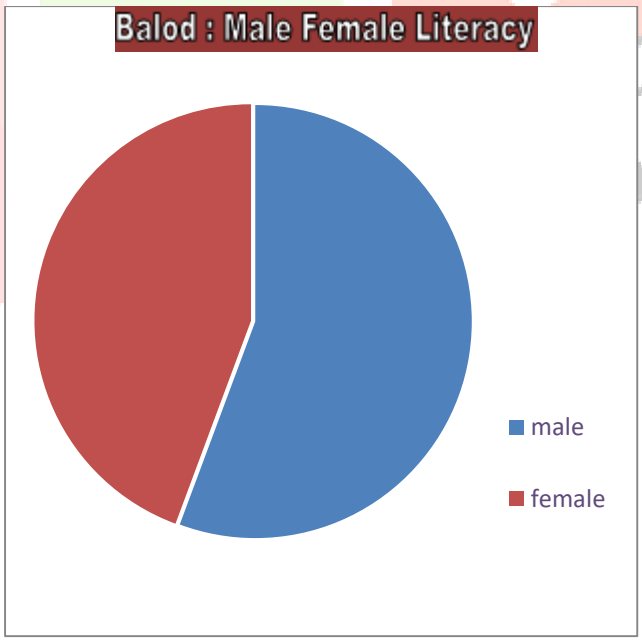

सकता है उसे साक्षर माना है परंतु यदि कोई व्यक्ति पढ़ सकता है पर लिख नहीं सकता तो उसे साक्षर नहीं कहा जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य के बालोद जिले की साक्षरता 2011 में 80.28% थी जिसमें पुरुषों में 89.52% तथा महिलाओं में 71.28% है।

लिंगानुसार साक्षरता –

लिंगानुपात प्रादेशिक विश्लेषण के लिए एक उपयोगी साधन है साथ ही किसी भी क्षेत्र के वर्तमान सामाजिक आर्थिक दशाओं का एक महत्वपूर्ण सूचक भी होता है बालोद जिले में पुरुष साक्षरता 89.52 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 71.28 प्रतिशत है। जो छत्तीसगढ़ राज्य के महिला (60.24%) पुरुष (80.27%) साक्षरता दर से अधिक है। तथा बालोद जिले में तहसीलवार साक्षरता में सर्वाधिक साक्षरता बालोद तहसील (81.95%) में तथा सबसे कम डोंडीलोहारा (78.43%) तहसील में पाई गई है जिसका प्रमुख कारण है कि बालोद तहसील जिला मुख्यालय होने के कारण यहां साक्षरता दर अधिक है।

ग्रामीण एवं नगरीय साक्षरता

बालोद जिले की कुल जनसंख्या सत्र 2011 में 826165 है। जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 720667 (87.23%) तथा नगरीय जनसंख्या 105498 (12.76%) है । बालोद जिले में ग्रामीण की तुलना में नगरीय जनसंख्या कम पाई गई है। तथा साक्षरता का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में नगरीय क्षेत्रों में अधिक है नगरीय क्षेत्रों में सर्वाधिक साक्षरता बालोद तहसील में है।

शैक्षणिक स्तर –

शैक्षणिक स्तर शिक्षा की डिग्री या योग्यता का प्रतिनिधित्व करता है जो किसी व्यक्ति ने प्राप्त की है तथा शिक्षा का स्तर किसी भी समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति का सूचकांक होता है।

बालोद जिले में शासकीय तथा अशासकीय दोनों ही प्रकार के शैक्षणिक संस्थाएं हैं जिसमें प्राथमिक स्तर में शासकीय विद्यालयों के अंतर्गत 821 शैक्षणिक संस्था तथा अशासकीय के अंतर्गत 120 शैक्षणिक संस्था है, माध्यमिक विद्यालय में शासकीय संस्था के अंतर्गत 411 तथा अशासकीय संस्था के अंतर्गत 104 विद्यालय, हाई स्कूल में 45 शासकीय और 20 अशासकीय विद्यालय हैं, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अंतर्गत 137 शासकीय विद्यालय तथा 29 अशासकीय विद्यालय हैं, तथा बालोद जिले में 13 शासकीय महाविद्यालय तथा 5 निजी महाविद्यालय है।

बालोद : भौक्षणिक संस्थाओं की संख्या

क्रं	तहसील	प्रथमिक		माध्यमिक		हाई स्कूल		उच्चतर माध्यमिक		महाविद्यालय	
		शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.
1	बालोद	108	6	53	18	10	5	18	7	2	0
2	गुरूर	138	26	69	18	9	2	32	5	2	2
3	गुण्डरदेही	173	43	90	36	6	4	34	7	4	2
4	डौण्डी लोहारा	231	37	117	23	10	4	31	2	3	1
5	डौण्डी	171	8	82	9	10	5	22	8	2	0
योग		821	120	411	104	45	20	137	29	13	5

स्रोंत– जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2021,22

शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की संख्या –

शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की संख्या से स्थानीय सहभागिता का ज्ञान होता है, बालोद जिले में प्राथमिक स्तर पर देखें तो प्रति विद्यालय छात्रों की संख्या 70 तथा माध्यमिक स्तर पर प्रति विद्यालय छात्रों की संख्या 75, हाई स्कूल में प्रति विद्यालय छात्रों की संख्या 345, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 163 तथा महाविद्यालय में 804 विद्यार्थी हैं। शैक्षणिक स्तर के प्राथमिक एवं हाई स्कूल में छात्रों की तुलना में छात्राओं की संख्या कम पाई

गई है। जबकि माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं महाविद्यालय स्तर पर छात्रों की तुलना में छात्राओं की संख्या अधिक पाई गई है जो बालिका शिक्षा के प्रति उत्साह को प्रदर्शित करता है।

भौक्षणिक संस्थाओं में विघार्थियों की संख्या

क्रं.	तहसील	प्रथमिक		माध्यमिक		हाई स्कूल		उच्चतर माध्यमिक		महाविद्यालय	
		छात्र	छात्रायें	छात्र	छात्रायें	छात्र	छात्रायें	छात्र	छात्रायें	छात्र	छात्रायें
1	बालोद	5050	4996	2915	2807	2317	2187	1683	2096	1424	2536
2	गुरूर	6196	5944	3300	3058	1066	1145	3628	4109	718	1341
3	गुण्डरदेही	7724	7481	4467	4632	2884	3133	2889	3286	1364	2571
4	डौण्डी लोहारा	8279	8197	4775	4807	3197	3429	2239	2770	823	1403
5	डौण्डी	6134	5989	3699	3967	2348	704	2130	2271	796	1508
योग		33383	32607	19156	19271	11812	10598	12569	14532	5125	9359

स्रोंत– जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2021,22

शैक्षणिक संस्थानों में अध्यापकों की संख्या –

ि"ाक्षण संस्थानों में अध्यापकों की संख्या से शिक्षा की गुणवत्ता का ज्ञान होता है। बालोद जिले में प्रति प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों की संख्या 3 है, माध्यमिक विद्यालय के अंतर्गत 4 अध्यापक हाई स्कूल में प्रति विद्यालय 6 अध्यापक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रति विद्यालय 13 अध्यापक तथा महाविद्यालय में 6 अध्यापक है।

भौक्षणिक संस्थाओं में अध्यापकों की संख्या

क्रं	तहसील	प्रथमिक		माध्यमिक		हाई स्कूल		उच्चतर माध्यमिक		महाविद्यालय	
		शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.	शा.	अ.
1	बालोद	365	119	204	180	74	43	279	74	16	0
2	गुरूर	455	110	273	53	49	24	367	53	11	8
3	गुण्डरदेही	638	110	359	55	34	15	450	40	19	15
4	डौण्डी लोहारा	629	125	413	60	63	11	432	8	13	9
5	डौण्डी	516	102	315	62	66	12	434	86	15	0
योग		2603	566	1564	410	286	105	1962	261	74	32

स्रोंत– जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2021,22

निष्कर्ष – बालोद जिले में साक्षरता के प्रतिरूप से स्पष्ट है कि तहसील आधार पर बालोद तहसील में साक्षरता का प्रतिशत अधिक है। महिलाओं की तुलना में पुरूषों में साक्षरता का प्रति"ात अधिक है। तथा ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में नगरी क्षेत्र में साक्षरता का प्रति"ात अधिक हैं।

संदर्भ ग्रंथ –

1. श्रीवास्तव, र"िम (2017): भारत में महिला साक्षरता संबंधी चुनौतियाँ, भारतीय आधुनिक ि"ाक्षा, अंक 1, पृ. क्र. 5–18।
2. टोप्पो, महिमाती (2016): छत्तीसगढ में साक्षरता दर की स्थिति –एक अध्ययन, ग्लोंबल जर्नल फार रिसर्च एनालिसिस, अंक 5 पृ. क्र. 174–175।
3. अग्रवाल, पी.सी. एवं सरला शर्मा (1989): छत्तीसगढ़ बेसिन में महिला साक्षरता का स्थानिक वि"लेषण, भूविज्ञान पत्रिका, अंक 4।
4. शालिनी (2010): ि"ाक्षा के जरिए कौ"ाल विकास, योजना, अंक 6, पृ.क्र. 8।
5. यादव, विनोद (2011): प्रतापगढ़ जनपद में महिला साक्षरता: एक प्रतीक अध्ययन, उत्तर भारत भूगोल पत्रिका, अंक 41, पृ.क्र. 16–20।